भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

राज्य सभा
तारांकित प्रश्न संख्या:*26
दिनांक 05 दिसम्बर, 2023 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाति के बीच बिगड़ते स्वास्थ्य संकेतक

***26. श्रीमती फूलो देवी नेतम:**

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क): विगत तीन वर्षों के दौरान राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 में विभिन्न स्वास्थ्य संकेतकों जैसे मृत्यु दर, मातृ एवं शिशु परिचर्या, रोग उपचार, टीकाकरण के अंतर्गत अनुसूचित जनजातियों और अनुसूचित जातियों का राज्य-वार कार्य निष्पादन क्या है;

(ख): सरकार द्वारा गरीबों और हाशिए पर रहने वाले अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों के स्वास्थ्य की स्थिति में सुधार लाने हेतु क्या उपाय किए गए हैं; और

(ग): अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाति के लोगों के परिवारों में महिलाओं और बच्चों में स्वास्थ्य परिचर्या परिणामों पर धन असमानता के प्रभाव का पता लगाने हेतु क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (डॉ. मनसुख मांडविया)

(क) से (ग): विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

दिनांक 05 दिसम्बर, 2023 के राज्य सभा तारांकित प्रश्न संख्या *26 के उत्तर में उल्लिखित विवरण

****

(क) शिशु मृत्यु दर और बाल मृत्यु दर, मातृ एवं शिशु परिचर्या, रोग उपचार और बाल टीकाकरण जैसे विभिन्न स्वास्थ्य संकेतकों के लिए राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (2019-21) के राज्य-वार आंकड़े **अनुलग्नक** में दिए गए हैं।

(ख) और (ग) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति, 2017 में स्वास्थ्य परिचर्या प्रदानगी और इक्विटी की लागत को कम करके पहुँच, वहनीयता में वृद्धि करके अच्छी गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य परिचर्या सेवाओं तक सार्वभौमिक पहुंच प्रदान करने की परिकल्पना की गई है। इस नीति का लक्ष्य सभी विकासात्मक नीतियों में निवारक और प्रोत्साहक स्वास्थ्य परिचर्या उन्मुखीकरण के माध्यम से सभी के लिए स्वास्थ्य और आरोग्य के उच्चतम संभव स्तर को प्राप्त करना है और परिणामस्वरूप सभी के लिए बिना किसी वित्तीय कठिनाई के अच्छी गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य परिचर्या सेवाओं तक सार्वभौमिक पहुंच प्रदान करना है। यह कार्यनीति इक्विटी, वहनीयता, सार्वभौमिकता, रोगी केंद्रित और देखभाल की गुणवत्ता, जवाबदेही, समावेशी साझेदारी, बहुलवाद और विकेंद्रीकरण के प्रमुख सिद्धांतों पर केंद्रित है। इस कार्यनीति के प्रमुख सिद्धांतों में से एक सार्वभौमिकता है अर्थात् सामाजिक, आर्थिक या वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति के आधार पर किसी को उपचार से वंचित न रखा जाए।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत लोगों, विशेषकर जनसंख्या के गरीब और कमजोर वर्गों को सुलभ, सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य परिचर्या प्रदान करने में राज्य सरकारों की सहायता करके सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। मातृ स्वास्थ्य, बाल स्वास्थ्य, किशोर स्वास्थ्य, परिवार नियोजन, सार्वभौमिक प्रतिरक्षण कार्यक्रम और क्षय रोग, वेक्टर जनित रोगों जैसे मलेरिया, डेंगू और काला जार, कुष्ठ रोग आदि जैसे प्रमुख रोगों के लिए विभिन्न नि:शुल्क सेवाओं के प्रावधान के लिए एनएचएम सहायता भी प्रदान की जाती है।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा किए गए प्रमुख उपायों में जननी सुरक्षा योजना (जेएसवाई), जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम (जेएसएसके), सुरक्षित मातृत्व अश्वासन (सुमन), प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए), मिडवाइफरी कार्यक्रम, लक्ष्य, मातृ एवं बाल स्वास्थ्य (एमसीएच) विंग की स्थापना, राष्ट्रीय एम्बुलेंस सेवाएं, प्रसूति एचडीयू और आईसीयू, प्रसव केन्द्र, प्रजनन और बाल स्वास्थ्य पोर्टल, व्यापक गर्भपात परिचर्या सेवाएं, मातृ मृत्यु निगरानी समीक्षा (एमडीएसआर), स्वास्थ्य सुविधा केन्द्र

आधारित नवजात परिचर्या, नवजात शिशुओं और छोटे बच्चों की समुदाय आधारित परिचर्या, सामाजिक जागरूकता और निमोनिया को सफलतापूर्वक निष्क्रिय करने के लिए कार्रवाई (एसएएएनएस), राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके), सघन अतिसार नियंत्रण पखवाड़ा /अतिसार को समाप्त करना (डी2), माताओं का असीम स्नेह (एमएए), पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी), एनीमिया मुक्त भारत (एएमबी), राष्ट्रीय कृमि नाशन दिवस (एनडीडी), राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरकेएसके), किशोर स्वास्थ्य और आरोग्य दिवस (एएच एंड डब्ल्यूडी), किशोर अनुकूल स्वास्थ्य क्लीनिक (एएफएचसी) अधिनियम, साप्ताहिक आयरन फोलिक एसिड अनुपूरण कार्यक्रम (डब्ल्यूआईएफएस), किशोरियों के बीच मासिक धर्म स्वच्छता को बढ़ावा देने संबंधी योजना, राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी), प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना (पीएमबीजेपी), प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम और राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन कार्य ढांचे का कार्यान्वयन, आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीएमजेएवाई), अनामाया- जनजातीय स्वास्थ्य सहयोग कार्यकलापन, सिकल सेल मिशन-ई रक्तकोष, पोषण अभियान, मलेरिया उन्मूलन के लिए राष्ट्रीय कार्यनीतिक योजना (एनएसपी), आयुष्मान आरोग्य मंदिर, (पूर्ववर्ती स्वास्थ्य और आरोग्य केंद्र), राष्ट्रीय नि: शुल्क दवा और नैदानिक सेवा पहल, राष्ट्रीय वृद्धजन स्वास्थ्य परिचर्या कार्यक्रम (एनपीएचसीई) शामिल है।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू) और जनजातीय कार्य मंत्रालय (एमओटीए) जनजातीय समुदायों के विकास के उद्देश्यों को प्राप्त करने में एक-दूसरे की सहायता करते हैं। एमओटीए ने इस प्रयोजनार्थ स्वास्थ्य सेल की स्थापना की है और एक स्वास्थ्य पोर्टल भी विकसित किया है। देश की जनजातीय आबादी के सामने आने वाली प्रमुख स्वास्थ्य चुनौतियों का समाधान करने के लिए एक स्थायी, उच्च प्रदर्शन करने वाले स्वास्थ्य इको-सिस्टम का निर्माण करने के लिए अप्रैल 2021 में एक जनजातीय स्वास्थ्य सहयोगी कार्यकलाप शुरू किया गया है। राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन योजना (एनटीईपी) के तहत मार्च, 2021 से एक जनजातीय टीबी पहल कार्यान्वित की गई है। जनजातीय क्षेत्रों में मलेरिया उन्मूलन के लिए एक संयुक्त कार्य योजना भी जारी की गई है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के सहयोग से सिकल सेल रोग के उपचार/प्रबंधन के लिए मध्यम और विशिष्ट प्रशिक्षण मॉड्यूल और रोग के संबंध में जागरूकता और परामर्श मॉड्यूल तैयार किए गए हैं।

अनुलग्नक

तालिका -1: अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के संबंध में राज्य-वार स्वास्थ्य संकेतक, एनएफएचएस-5 (2019-21)

राज्य	शिशु मृत्यु दर (प्रति 1,000 जीवित जन्म)		बाल मृत्यु दर (प्रति 1,000 जीवित जन्म)	
	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति
भारत	40.7	41.6	8.6	9.0
आंध्र प्रदेश	33.3	अनुपलब्ध	7.0	अनुपलब्ध
अरुणाचल प्रदेश	अनुपलब्ध	(1.9)	अनुपलब्ध	(0.0)
असम	35.3	33.9	7.2	7.7
बिहार	47.6	57.0	12.2	12.2
छत्तीसगढ़	53.6	58.0	1.8	9.6
गोवा	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध
गुजरात	48.5	31.9	10.1	10.0
हरियाणा	37.2	अनुपलब्ध	6.6	अनुपलब्ध
हिमाचल प्रदेश	28.5	(20.8)	4.4	(6.0)
जम्मू और कश्मीर	13.8	30.1	3.4	3.2
झारखंड	44.1	44.4	13.8	12.0
कर्नाटक	29.7	28.7	4.3	7.2
केरल	(1.1)	अनुपलब्ध	(3.0)	अनुपलब्ध
मध्य प्रदेश	48.2	41.3	13.0	13.9
महाराष्ट्र	21.1	31.1	7.3	6.4
मणिपुर	अनुपलब्ध	23.2	अनुपलब्ध	3.1
मेघालय	अनुपलब्ध	32.6	अनुपलब्ध	7.9
मिजोरम	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध
नागालैंड	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली	24.8	अनुपलब्ध	6.9	अनुपलब्ध

ओडिशा	36.0	55.9	3.8	10.9
पंजाब	33.3	अनुपलब्ध	4.8	अनुपलब्ध
राजस्थान	37.2	43.2	6.8	8.8
सिक्किम	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध
तमिलनाडु	25.3	अनुपलब्ध	3.8	अनुपलब्ध
तेलंगाना	30.3	39.6	6.9	2.1
त्रिपुरा	(18.6)	50.8	(5.9)	11.7
उत्तर प्रदेश	57.8	57.6	12.9	6.9
उत्तराखंड	42.1	अनुपलब्ध	11.1	अनुपलब्ध
पश्चिम बंगाल	24.8	(26.7)	1.5	0.0

स्रोत: एनएफएचएस -5 राष्ट्रीय और राज्य रिपोर्ट ; http://rchiips.org/nfhs/index.shtml

नोट: - () कोष्ठक में दिए गए आंकड़े 250-499 अभारित मामलों के आधार पर तैयार किए गए हैं।

एनए-डेटा उपलब्ध नहीं है

तालिका-1: अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के संबंध में राज्य-वार स्वास्थ्य संकेतक, एनएफएचएस-5 (2019-21) (जारी....)

राज्य	चार या चार से अधिक एएनसी करवाने वाली माताएं (%)		जन्म के बाद पहले दो दिनों में स्वास्थ्य जांच कराने वाले शिशु जन्म (%)	
	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति
भारत	55.3	57.6	80.6	79.0
आंध्र प्रदेश	66.7	59.8	93.5	85.6
अरुणाचल प्रदेश	34.4	35.9	50.7	57.3
असम	49.9	59.9	73.8	75.4
बिहार	19.3	17.5	61.8	53.5
छत् तीसगढ़	59.3	55.9	85.5	81.1
गोवा	अनुपलब्ध	(87.8)	अनुपलब्ध	(90.7)
गुजरात	76.7	77.6	89.5	90.9
हरियाणा	58.4	(36.3)	92.1	(93.4)
हिमाचल प्रदेश	67.2	71.5	87.5	84.3
जम्मू और कश्मीर	78.6	66.8	81.8	71.5
झारखंड	37.2	32.7	68.2	66.3
कर्नाटक	70.9	70.6	87.1	85.1
केरल	77.1	86.0	89.1	100.0
मध्य प्रदेश	56.5	55.5	86.6	83.8
महाराष्ट्र	68.7	65.5	90.4	83.8
मणिपुर	81.7	59.5	74.0	52.9
मेघालय	(53.2)	52.5	(48.4)	52.5
मिजोरम	19.3	59.5	28.5	37.2

नागालैंड	(55.5)	17.8	(72.1)	41.7
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली	73.7	(83.6)	87.8	(89.3)
ओडिशा	79.1	69.8	93.4	85.9
पंजाब	57.7	अनुपलब्ध	86.2	अनुपलब्ध
राजस्थान	52.3	55.9	86.0	88.7
सिक्किम	(47.5)	55.7	(82.4)	68.9
तमिलनाडु	90.2	85.3	94.5	91.7
तेलंगाना	66.0	67.3	88.1	85.6
त्रिपुरा	61.0	42.7	74.2	68.6
उत्तर प्रदेश	39.4	28.7	73.9	65.2
उत्तराखंड	49.8	67.1	80.6	91.6
पश्चिम बंगाल	79.0	70.9	80.8	78.6

स्रोत: एनएफएचएस -5 राष्ट्रीय और राज्य रिपोर्टें; http://rchiips.org/nfhs/index.shtml

नोट: - () कोष्ठक में दिए गए आंकड़े 25-49 अभारित मामलों के आधार पर तैयार किए गए हैं।

एनए-डेटा उपलब्ध नहीं है

तालिका -1: अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजाति के संबंध में राज्य-वार स्वास्थ्य संकेतक, एनएफएचएस-5 (2019-21) (जारी....)

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	स्वास्थ्य केन्द्र में कराए गए शिशु जन्म (%)		15-49 वर्ष की हाल ही में विवाहित महिलाओं द्वारा वर्तमान में उपयोग किए जा रहे परिवार नियोजन के तरीके (%)	
	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति
भारत	87.3	82.3	67.0	64.4
आंध्र प्रदेश	96.2	89.3	68.7	56.7
अरुणाचल प्रदेश	86.8	80.3	56.5	57.2
असम	90.0	89.8	60.1	63.2
बिहार	71.4	67.7	55.4	52.1
छत्तीसगढ़	86.7	77.4	66.4	58.7
गोवा	(100.0)	(100.0)	76.9	58.7
गुजरात	93.4	89.3	60.8	71.6
हरियाणा	95.7	95.4	72.0	66.0
हिमाचल प्रदेश	85.0	82.1	75.6	68.2
जम्मू और कश्मीर	90.0	77.5	60.1	55.8
झारखंड	73.2	66.4	60.9	55.9
कर्नाटक	95.6	95.7	67.7	65.0
केरल	100.0	100.0	60.6	59.7
मध्य प्रदेश	91.5	82.0	70.4	72.1
महाराष्ट्र	96.1	84.8	65.7	63.7
मणिपुर	84.4	59.2	63.3	61.3
मेघालय	82.7	57.6	32.9	28.0
मिजोरम	49.1	87.4	42.0	30.9

नागालैंड	(68.9)	43.5	53.8	57.3
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली	90.3	(92.6)	76.4	75.7
ओडिशा	94.3	82.8	76.1	71.4
पंजाब	93.1	(86.2)	66.7	61.1
राजस्थान	93.8	94.0	71.8	71.0
सिक्किम	(100.0)	97.1	67.4	68.5
तमिलनाडु	99.4	100.0	69.6	67.3
तेलंगाना	97.0	94.0	65.8	65.2
त्रिपुरा	91.9	85.9	73.0	71.0
उत्तर प्रदेश	81.0	74.7	62.0	57.1
उत्तराखंड	79.7	84.8	71.0	77.9
पश्चिम बंगाल	95.3	90.8	77.9	65.4

स्रोत: एनएफएचएस -5 राष्ट्रीय और राज्य रिपोर्टें; http://rchiips.org/nfhs/index.shtml

नोट: - () कोष्ठक में दिए गए आंकड़े 25-49 अभारित मामलों के आधार पर तैयार किए गए हैं।

एनए-डेटा उपलब्ध नहीं है

तालिका-1: अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के संबंध में राज्य-वार स्वास्थ्य संकेतक, एनएफएचएस-5 (2019-21) (जारी.....)

राज्य	पांच वर्ष से कम आयु के ऐसे बच्चों की प्रतिशतता जिन्हें बुखार था और उनका स्वास्थ्य केन्द्र या स्वास्थ्य सेवा प्रदाता से उपचार कराया गया था[1]		हैजा से पीड़ित ऐसे बच्चों की संख्या जिनके लिए परामर्श या उपचार स्वास्थ्य केन्द्र या स्वास्थ्य सेवा प्रदाता से कराया गया था।		पूर्णत प्रतिरक्षित (सभी मूलभूत टीकाकरण)[2] बच्चों (12-23 माह के) की प्रतिशतता	
	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति
भारत	78.9	74.7	75.8	73.8	76.7	76.5
आंध्र प्रदेश	71.3	(80.8)	(67.7)	*	73.6	(70.0)
अरुणाचल प्रदेश	(37.4)	53.1	*	53.9	55.6	63.7
असम	57.4	46.8	(60.2)	54.2	66.6	67.5
बिहार	74.4	68.5	66.9	73.5	67.8	71.8
छत्तीसगढ़	77.1	59.4	(79.5)	63.3	74.4	79.0
गोवा	*	*	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध
गुजरात	76.7	78.8	65.9	72.3	77.2	80.2
हरियाणा	83.5	*	79.5	*	79.1	अनुपलब्ध
हिमाचल प्रदेश	73.5	(77.1)	(65.4)	*	89.1	87.3
जम्मू और कश्मीर	73.8	(69.0)	(66.5)	(69.8)	95.0	82.5
झारखंड	68.7	57.7	59.4	58.7	72.8	76.0
कर्नाटक	68.4	67.9	70.4	(73.2)	87.9	82.0
केरल	93.9	*	*	*	83.0	अनुपलब्ध
मध्य प्रदेश	74.7	70.1	68.0	64.5	81.0	76.4
महाराष्ट्र	75.2	82.7	70.3	74.5	67.1	74.7
मणिपुर	*	38.3	*	48.5	(69.9)	59.6

मेघालय	*	77.8	*	71.5	अनुपलब्ध	64.1
मिजोरम	अनुपलब्ध	55.6	*	44.5	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध
नागालैंड	*	28.3	अनुपलब्ध	30.0	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली	84.3	*	72.0	*	77.7	अनुपलब्ध
ओडिशा	75.6	60.7	58.0	46.5	91.8	88.6
पंजाब	64.1	*	75.4	*	73.9	ना
राजस्थान	84.0	83.6	77.6	74.9	82.9	79.2
सिक्किम	*	(62.6)	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	92.2
तमिलनाडु	76.6	*	55.0	*	90.4	अनुपलब्ध
तेलंगाना	73.9	71.5	63.6	77.3	83.8	69.5
त्रिपुरा	59.0	62.7	*	61.3	75.5	57.9
उत्तर प्रदेश	71.9	(69.1)	67.9	(68.1)	70.6	53.1
उत्तराखंड	73.5	*	(81.7)	*	74.1	अनुपलब्ध
पश्चिम बंगाल	72.1	81.3	86.3	*	91.5	90.4

स्रोत: एनएफएचएस -5 राष्ट्रीय और राज्य रिपोर्टें; http://rchiips.org/nfhs/index.shtml

टिप्पणी: - () कोष्ठक में दिए गए आंकड़े 25-49 अभारित मामलों के आधार पर तैयार किए गए हैं।

** ये आंकड़े 25 से कम अभारित मामलों पर आधारित है तथा आंकड़ें संकुचित किए गए है।*

एनए-डेटा उपलब्ध नहीं है

[1] इसमें जन स्वास्थ्य क्षेत्र, *निजी स्वास्थ्य क्षेत्र या दुकान से ली गई सलाह अथवा उपचार शामिल है। इसमें पारंपरिक चिकित्सक या मित्र / संबंधी से ली गई सलाह अथवा उपचार शामिल नहीं है।*

[2] बीसीजी, एमसीवी/खसरा/एमएमआर/एमआर और डीपीटी/पेंटा और पोलियो टीका प्रत्येक की तीन खुराक (जन्म पर लगाए जाने वाले पोलियो टीके को छोड़कर)

****